Curriculum and Credit Framework
As per NEP 2020

For

(To be effective from the Academic Session 2024-2025)

UNDER-GRADUATE PROGRAMMES HINDI
(Multidisciplinary)
Gurugram University, Gurugram
(A State Govt. University Established Under Haryana Act 17 Of 2017)

Page No. - 1 - 17

Scanned with OKEN Scanner

बी.ए. (हिंदी) पृष्ठभूमि

बी.ए. (हिंदी) एक स्नातक स्तरीय अध्ययन कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति तथा सामाजिक सरोकारों की गहन समझ और व्यापक ज्ञान प्रदान करना है। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में भाषिक दक्षता, साहित्यिक संवेदनशीलता, आलोचनात्मक दृष्टि तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति का विकास करता है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं, भाषिक अध्ययन, सांस्कृतिक परंपराओं तथा समकालीन सामाजिक विषयों का व्यवस्थित अध्ययन कराया जाता है। साथ ही, विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की प्रकृति, उद्देश्य, विषय-वस्तु, अध्ययन क्षेत्रों एवं भविष्य की संभावनाओं से संबंधित विस्तृत एवं सुव्यवस्थित जानकारी प्रदान की जाती है, ताकि वे इस कार्यक्रम को सरल, स्पष्ट एवं सारगर्भित रूप में समझ सकें।

बी.ए. (हिंदी) उद्देश्य

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान एवं भाषा विभाग एक बहुआयामी एवं सक्रिय शैक्षणिक संकाय के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा की बढ़ती उपयोगिता और महत्ता से परिचित कराते हुए उन्हें भाषा, साहित्य, भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों तथा मानवीय संवेदनाओं से समृद्ध करना है। विभाग विद्यार्थियों के बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक विकास के साथ-साथ उनके सर्वांगीण व्यक्तित्व निर्माण के लिए निरंतर प्रयत्नशील है।

विभाग में कार्यरत प्राध्यापकगण समर्पित, अनुभवी एवं विद्वान शिक्षाविद् हैं, जो विद्यार्थियों के शैक्षणिक मार्गदर्शन के साथ उनकी रुचियों, व्यक्तित्व विकास तथा भविष्य उन्मुख योजनाओं के निर्माण में भी व्यक्तिगत रूप से सहयोग प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रमीय ज्ञान तक सीमित न रखते हुए उन्हें व्यावहारिक, सृजनात्मक एवं व्यावसायिक दृष्टि से सक्षम बनाने पर विशेष बल दिया जाता है।

हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं हिंदी को रोजगारोन्मुखी बनाने की दृष्टि से तैयार की गई है। इसमें व्यावसायिक एवं संचार कौशल, अनुवाद, व्यक्तित्व विकास, अभिव्यक्ति कौशल, पत्रकारिता, सृजनात्मक लेखन, भाषा विज्ञान तथा कार्यालयी हिंदी जैसे विषयों को विशेष महत्व दिया गया है। हिंदी विषय में स्नातक करने के पश्चात विद्यार्थी शिक्षण, प्रशिक्षण, जनसंचार, संवाद लेखन, अनुवाद, लोक प्रशासन, राजभाषा तथा अन्य अनेक आकर्षक क्षेत्रों में उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं।

'सीखने की प्रक्रिया जीवनपर्यंत सक्रिय है' तथा 'सतत् विकास' की अवधारणा को केंद्र में रखते हुए विभाग निरंतर विविध अकादमिक, सांस्कृतिक एवं शोधपरक गतिविधियों का आयोजन करता रहता है। विभाग द्वारा समय-समय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, व्याख्यानों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को नवीन ज्ञान, शोध प्रवृत्तियों एवं समकालीन विमर्शों से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है।

हिंदी पाठ्यक्रम का मूल उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा की गहराइयों को समझना, अतीत को वर्तमान से जोड़ना तथा मानवीय संवेदनाओं को सशक्त बनाना है, ताकि विद्यार्थी ज्ञान, संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सजग एवं संवेदनशील नागरिक बन सकें।

मुकेश कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

1. Programme Educational Objectives (PEOs)

PEO	Description
PEO-1	छात्र हिंदी में व्याकरण का शुद्ध मौखिक एवं लिखित संप्रेषण कर सकेंगे।
PEO-2	छात्र हिंदी साहित्य के आदिकाल से आधुनिक काल तक के इतिहास और उसकी प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
PEO-3	छात्र प्रयोजनमूलक हिंदी का प्रयोग कर सकेंगे।

2. Programme Outcomes

PO	Description
PO-1	इस प्रोग्राम द्वारा विद्यार्थी के करियर में उन्नति हो सकती हैं।
PO-2	इस प्रोग्राम के बाद विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने के योग्य हो जाता हैं।
PO-3	विद्यार्थी अपने विषय में अधिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
PO-4	विद्यार्थी विषय का गहन अध्ययन कर विषय का विशेष ज्ञान प्राप्त कर सकता हैं।
PO-5	यह प्रोग्राम विद्यार्थियों को भविष्य में आत्मनिर्भर बना सकता हैं।
PO-6	विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य के विकासक्रम, उसकी प्रमुख प्रवृत्तियों, काव्यधाराओं तथा प्रतिनिधि कवियों के साहित्यिक योगदान का सम्यक् ज्ञान प्राप्त होगा।
PO-7	विद्यार्थी भाषाशास्त्र की अवधारणाओं ,हिंदी भाषा और उसके विकास को समझेंगे।
PO-8	विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कथा की विशेषताओं तथा उसमें निहित छोटी-छोटी संवेदनाओं को समझ पाएंगे और व्याकरण का भाषा में मानक प्रयोग कर पाएंगे।

मुकेश कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

3. Programme Specific Outcomes

PSO	Description
PSO-1	इस पाठ्यक्रम से स्नातक करने वाले विद्यार्थी हिंदी भाषा की साहित्यिक एवं भाषा विज्ञान संबंधी विशेषताओं से पूर्ण परिचित हो सकेंगे।
PSO-2	विद्यार्थी प्राचीन काल के सामाजिक मानवीय मूल्यों को हिंदी भाषा के माध्यम से समझ सकेंगे।
PSO-3	इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा का ज्ञान प्राप्त कर विश्व स्तर पर हिंदी भाषा को सर्वोत्तम स्थान दिला सकेंगे।
PSO-4	हिंदी भाषा को इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यावहारिक पटल पर भी उपयोगी बनाया गया है।
PSO-5	इस पाठ्यक्रम को पढ़ने के पश्चात् विद्यार्थी परास्नातक हिंदी भाषा में अध्ययन कर सकेंगे।

मुकेश कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

Scheme of Programme

(Scheme UG A1: Undergraduate Programmes (Multidisciplinary))

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल)	240/HINM/ CC101	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A2	हिंदी का मध्यकालीन साहित्य	240/HINM/ CC202	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A3	हिंदी कथाक्रम	240/HINM/ CC303	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 4

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A4	आधुनिक हिंदी कविता	240/HINM/ CC404	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 5

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A5	नव्यतर "गद्य गौरव"	240/HINM/ CC505	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 6

Course Code	Course Title	Course ID	L	T	P	L	T	P	Total Credits	MARKS				
			(Hrs)			Credits				TI	TE	PI	PE	Total
Core Course(s)														
CC-A6	काव्यांग परिचय	240/HINM/ CC/606	3	1		3	1		4	30	70			100

The curriculum of semester 7 and 8 will be provided in due course of time

Scanned with OKEN Scanner

Scheme of Programme

(Scheme UG A1: Undergraduate Programmes (Multidisciplinary)

Semester 1

Course Code	Course Title	Course ID	L (Hrs)	T (Hrs)	P (Hrs)	L (Credits)	T (Credits)	P (Credits)	Total Credits	MARKS TI	MARKS TE	MARKS PI	MARKS PE	MARKS Total
Core Course(s)														
CC-A1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल)	240/HINM/ CC101	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 2

Course Code	Course Title	Course ID	L (Hrs)	T (Hrs)	P (Hrs)	L (Credits)	T (Credits)	P (Credits)	Total Credits	MARKS TI	MARKS TE	MARKS PI	MARKS PE	MARKS Total
Core Course(s)														
CC-A2	हिंदी का मध्यकालीन साहित्य	240/HINM/ CC202	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 3

Course Code	Course Title	Course ID	L (Hrs)	T (Hrs)	P (Hrs)	L (Credits)	T (Credits)	P (Credits)	Total Credits	MARKS TI	MARKS TE	MARKS PI	MARKS PE	MARKS Total
Core Course(s)														
CC-A3	हिंदी कथाक्रम	240/HINM/ CC303	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 4

Course Code	Course Title	Course ID	L (Hrs)	T (Hrs)	P (Hrs)	L (Credits)	T (Credits)	P (Credits)	Total Credits	MARKS TI	MARKS TE	MARKS PI	MARKS PE	MARKS Total
Core Course(s)														
CC-A4	आधुनिक हिंदी कविता	240/HINM/ CC404	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 5

Course Code	Course Title	Course ID	L (Hrs)	T (Hrs)	P (Hrs)	L (Credits)	T (Credits)	P (Credits)	Total Credits	MARKS TI	MARKS TE	MARKS PI	MARKS PE	MARKS Total
Core Course(s)														
CC-A5	नव्यतर "गद्य गौरव"	240/HINM/ CC505	3	1		3	1		4	30	70			100

Semester 6

Course Code	Course Title	Course ID	L (Hrs)	T (Hrs)	P (Hrs)	L (Credits)	T (Credits)	P (Credits)	Total Credits	MARKS TI	MARKS TE	MARKS PI	MARKS PE	MARKS Total
Core Course(s)														
CC-A6	काव्यांग परिचय	240/HINM/ CC/606	3	1		3	1		4	30	70			100

The curriculum of semester 7 and 8 will be provided in due course of time

Scanned with OKEN Scanner

सेमेस्टर-I

CCA1-हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल)

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

हिंदी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से विद्यार्थी नई व्याख्या, नई प्रेरणा और नई दृष्टि के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करेंगें। आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

मानव समाज की संपूर्ण गति तथा परिवर्तन के मूल्यों के संदर्भ में अध्ययन करेंगें। ।
आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी प्राप्त होगी।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1: हिंदी साहित्य इतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका -

हिंदी साहित्य इतिहास के लेखन की परंपरा
साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएं
हिंदी साहित्य का इतिहास: काल,विभाजन,सीमा निर्धारण

इकाई 2: आदिकाल-

नामकरण और सीमा
परिवेश : ऐतिहासिक , सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
वर्गीकरण , सिद्ध , नाथ , जैन , रासो साहित्य
पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता

इकाई 3:भक्तिकाल: निर्गुण काव्यधारा -

परिवेश : ऐतिहासिक , सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
संत काव्यधारा: वैशिष्ट्य
सूफी काव्यधारा: वैशिष्ट्य

इकाई 4 : भक्तिकाल: सगुण काव्यधारा -

राम काव्यधारा: वैशिष्ट्य
कृष्ण काव्यधारा: वैशिष्ट्य
भक्तिकाल: स्वर्णयुग

संदर्भ पुस्तकें:

1) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास - डॉ. नगेंद्र
3) हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

मुकेश कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

4) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
5) आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. हरदेव बाहरी
6) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रघुवंश
7) हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. शिवकुमार मिश्र

निर्देश:

1. निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई में से कम से कम एक दीर्घ प्रश्न अवश्य पूछा जायेगा। पूछे गए कुल प्रश्नों की अधिकतम संख्या 8 होगी। परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई मे से कम से कम एक प्रश्न अर्थात कुल 4 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 40 अंको का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम में से कोई दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों मे किन्ही छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंको का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा।

Scanned with OKEN Scanner

सेमेस्टर 2

CCA2 - हिंदी का मध्यकालीन साहित्य

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

इतिहास का संबंध अतीत से होता है और इसमें वास्तविक घटनाओं और वृतांतों का सन्निवेश होता है।
इतिहास मानवीय सरोकारों की व्याख्या करने वाली एक विधा है, जो अतीत के संदर्भों से आगत को प्रभावित करती है।

पाठ्यक्रम परिणाम:

हिंदी साहित्य के इतिहास के अध्ययन का उद्देश्य भी यही है की वह नई व्याख्या, नई प्रेरणा और नई दृष्टि से आगत के आलोकपूर्ण पथ को प्रशस्त करना है।
आदिकाल से आधुनिक काल तक क्रमबद्ध रूप में विद्यार्थियों को जानकारी देना।

पाठ्यक्रम

इकाई 1 : निर्धारित कवि और रचनाएं -

(क) **कबीर-** कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17 वां संस्करण,
साखी : गुरुदेव कौ अंग 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) **तुलसी-** 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

(ग) **सूरदास** :

1. मैया! मोहि दाऊ बहुत खिझायो।
2. मैया! मैं नहीं माखन खायो।
3. अखियाँ हरि दर्शन की प्यासी।
4. उधो! मन न भए दस बीस।
5. प्रभु मोरे अवगुन चित न धरो।
6. जसोदा हरि पालने झुलावै।
7. श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी।
8. चरन कमल बंदौं हरि राई।
9. अब मोहि नाच्यो बहुत गोपाल।
10. देखि री! हरि के चंचल नैन।

(घ) **मीराबाई :**

1. मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
2. पायो जी मैंने राम रतन धन पायो
3. पग घुँघरू बाँध मीरा नाची रे
4. बसो मेरे नैनन में नंदलाल
5. हे री मैं तो प्रेम दीवानी
6. माने चाकर राखो जी
7. जोगी मत जा, मत जा
8. साँवरिया रंग राची
9. अरी मैं तो हरि के रंग राची
10. दरद न जाने कोई

Supriya Rajan 8. [signature] मुकेश कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

इकाई 2 : पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव

इकाई 3 : रीतिकाल-

1. नामकरण और सीमा
2. परिवेश :ऐतिहासिक , सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक
3. रीतिबद्ध
4. रीतिसिद्ध
5. रीतिमुक्त

इकाई 4 : हिंदी साहित्य का आधुनिककाल

1. आधुनिककाल का उद्भव और विकास
2. भारतेन्दु युगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
3. द्विवेदी युगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
4. छायावाद युग
5. प्रगतिवाद युग
6. प्रयोगवाद युग

संदर्भ पुस्तकें :

1. कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17 वां संस्करण
2. तुलसी- रामचरितमानस , गीताप्रेस, गोरखपुर
3. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. तुलसीकाव्य - मीमांसा : उदयभानु सिंह
5. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास विष्वनाथ त्रिपाठी
6. मीरा पदावली — संपादक: परशुराम चतुर्वेदी
7. मीरा पदावली — संपादक: रामचंद्र शुक्ल
8. मीरा की पदावली — संपादक: विश्वनाथ त्रिपाठी

निर्देश–

1) इकाई 1 से व्याख्या के लिए छह अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्ही तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 18 अंको का होगा।

2) पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 6 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3) पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4) पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

Scanned with OKEN Scanner

सेमेस्टर 3

CCA3- हिंदी कथाक्रम

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

हिंदी कथा का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।

हिंदी कथा के विविध रूपों की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

हिंदी कथा की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित हुई।

हिंदी कथा के विविध आयाम एवं प्रमुख लेखकों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन किया।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1 : निर्धारित कहानियाँ :-

1) ईदगाह : प्रेमचंद
2) पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद
3) गैंग्रीन: अज्ञेय
4) मलबे के मालिक : मोहन राकेश
5) ठेस : फणीश्वर नाथ रेणु
6) फैसला : मैत्रीय पुष्पा
7) पच्चीस चोका डेढ़ सौ : ओमप्रकाश वाल्मीकि

इकाई 2 : निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियो की मूल संवेदना , निर्धारित कहानियो के पात्रों का चरित्र चित्रण

इकाई 3 : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल

1) आधुनिक काल की परिस्थितियां
2) हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास
3) हिंदी कहानी : उद्भव और विकास
4) हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5) हिंदी निबन्ध: उद्भव और विकास

इकाई 4 :

1) पारिभाषिक शब्दावली : स्वरुप और महत्व
2) पारिभाषिक शब्दावली के गुण
3) पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध संप्रदाय : राष्ट्रीयतावादी , अन्तर्राष्ट्रीयवादी , समन्वयवादी

मुकेश कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

निर्देश:

1) इकाई 1 से व्याख्या के लिए पाँच अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्ही तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6_ अंक की होगी। पूरा प्रश्न 18 अंको का होगा।

2) पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 6 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3) पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4) पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

सेमेस्टर 4

CCA4- आधुनिक हिंदी कविता

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

आधुनिक हिंदी कविता का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना।
आधुनिक हिंदी कविता के विविध रूपों की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों की समझ विकसित हुई।
आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम एवं प्रमुख कवियों की उत्कृष्ट रचनाओं का अध्ययन किया।

पाठ्यक्रम :

इकाई 1: निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया गया -

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध" (पवनदूती)
2. मैथिलीशरण गुप्त (भारत भारती , संदेश यहां मैं नहीं स्वर्ग का लाया)
3. जयशंकर प्रसाद (आंसू)
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (विधवा , बादल राग ,वह तोड़ती पत्थर)
5. महादेवी वर्मा (कह दे मां क्या अब देखूं , दुख की बदली)
6. रामधारी सिंह दिनकर (कुरुक्षेत्र - चतुर्थ सर्ग)

इकाई 2 :आलोचनात्मक प्रश्न :

निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्ति सौष्ठव

इकाई 3 : प्रयोजनमूलक हिंदी :

1. संक्षेपण
2. पल्लवन
3. पत्र लेखन
4. साक्षात्कार

इकाई 4 : प्रयोजनमूलक हिंदी: हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

1. कंप्यूटर: स्वरूप और महत्व
2. ई-मेल: प्रेषण - ग्रहण
3. इंटरनेट: स्वरूप और उपयोगिता
4. अनुवाद: परिभाषा और स्वरूप

मुकेश कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

निर्देश:

1) इकाई 1 से व्याख्या के लिए छह अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्ही तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 18 अंको का होगा।

2) पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 6 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3) पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4) पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

Scanned with OKEN Scanner

सेमेस्टर 5

CCA5- नव्यतर "गद्य गौरव"

पूर्णांक :100

बाह्य लिखित परीक्षा :70

आंतरिक मूल्यांकन :30

परीक्षा समय : 3 घंटे

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

हरियाणवी भाषा और साहित्य से अवगत कराना

हिंदी पत्रकारिता एवं भाषा शिक्षण का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम

विद्यार्थियों को हरियाणवी भाषा और साहित्य की जानकारी हुई।

विद्यार्थियों को हरियाणवी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित हुए।

पाठ्यक्रम:

इकाई 1 : निर्धारित लेखक एवं उनके निबंध :-

1. बालमुकुंद गुप्त : निबंध- आशा का अंत
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल : निबंध- उत्साह
3. महादेवी वर्मा : संस्मरण- गिल्लू
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : ललित निबंध – देवदारु
5. विद्यानिवास मिश्र : ललित निबंध –मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

इकाई 2 :- निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न :-

पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखको के साहित्यिक परिचय, निबंधों के वस्तु पक्ष , कला पक्ष तथा , निबंधों के सारांश

इकाई 3 : हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास:-

1. हरियाणवी भाषा का उद्भव और विकास
2. हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियां
3. हरियाणा की सांग परंपरा: उद्भव और विकास
4. हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य - (क) हरियाणवी कविता: परिचय और प्रवर्तियाँ
   - (ख) हरियाणवी का गद्य साहित्य : **1. उपन्यास साहित्य**
     2. कहानी साहित्य
     3. नाट्य साहित्य

इकाई 4 : हिंदी : पत्रकारिता एवं भाषा शिक्षण :-

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार
2. शीर्षक की संरचना
3. संपादक के गुण और दायित्व
4. प्रूफ रीडिंग का स्वरूप एवं संशोधन के नियम
5. भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं - भाषा कौशल- श्रवण , वाचन लेखन

निर्देश –

1) इकाई 1 से व्याख्या के लिए छह अवतरण पूछे जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्ही तीन की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या 6 अंक की होगी। पूरा प्रश्न 18 अंको का होगा।

2) पूरे पाठ्यक्रम में से कुल 6 दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को उनमें से कोई 3 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 8 अंक निर्धारित है। पूरा प्रश्न 24 अंकों का होगा।

3) पूरे पाठ्यक्रम में से कोई 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थी को 250 शब्दों में किन्हीं 4 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 20 अंकों का होगा।

4) पूरे पाठ्यक्रम में से 8 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा।

मुकेश कुमारी

सेमेस्टर 6

CCA 6 - काव्यांग परिचय

पूर्णांक :100
बाह्य लिखित परीक्षा :70
आंतरिक मूल्यांकन :30
परीक्षा समय : 3 घंटे

पाठ्यक्रम उद्देश्य:

हिंदी काव्य की विविध विधाओं और उनके तत्वों की समझ विकसित करना।

कविता विश्लेषण के उपकरण और तकनीक की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:

छात्र हिंदी काव्य की विभिन्न विधाओं और उनके तत्वों को पहचानने और समझने में सक्षम होंगे।

छात्र महाकाव्य, खंडकाव्य एवं गीतिकाव्य की अवधारणा तथा स्वरूप की समझ विकसित हुई ।

पाठ्यक्रम

इकाई 1: काव्य का परिचय

- काव्य की परिभाषा और प्रकार
- हिंदी कविता के विभिन्न रूप (दोहा ,चौपाई , कवित्त , ग़ज़ल)
- काव्य के उद्देश्य और उपयोगिता

इकाई 2 : काव्य के तत्व

- रस :- श्रृंगार , हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, वीभत्स, अद्भुत, शान्त
- अलंकार:- शब्दालंकार और अर्थालंकार(अनुप्रास , श्लेष , यमक , रुपक , उपमा , उत्प्रेक्षा , अतिशयोक्ति , मानवीयकरण , अन्योक्ति , समासोक्ति

इकाई 3 : काव्य के तत्व

- ध्वनि :- अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
- काव्य गुण – प्रसाद , माधुर्य और ओज
- काव्य के तत्व (छंद , तुकांत , छवि , प्रतीकात्मकता)

इकाई 4 : प्रमुख काव्य रूपों की अवधारणा एवं स्वरूप

- महाकाव्य
- खंडकाव्य
- गीतिकाव्य

संदर्भ पुस्तकें:

1. काव्यांग परिचय -डॉ. वासुदेव सिंह
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र
3. आधुनिक हिंदी कविता - डॉ. हरिवंश राय बच्चन
4. कविता के रंग - डॉ. रामकुमार वर्मा

मुक्षा कुमारी

Scanned with OKEN Scanner

5. काव्यशास्त्र - डॉ. नामवर सिंह
6. काव्यशास्त्र - डॉ. भागीरथ मिश्र

निर्देश:

1.निर्धारित पाठ्यक्रम में से प्रत्येक इकाई से कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को निर्धारित विकल्पों मे से किसी एक का चयन करके कुल 4 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे। पूरा प्रश्न 40 अंको का होगा।

2. पूरे पाठ्यक्रम मे कोई 10 लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमे से परीक्षार्थी को 250 शब्दों मे किन्ही 6 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का होगा। पूरा प्रश्न 24 अंको का होगा।

3. पूरे पाठ्यक्रम में से 6 वस्तुनिष्ठ अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न छः अंको का होगा

Scanned with OKEN Scanner